ये लखदातारी है लीले असवारी है भजन लिरिक्स

ये लखदातारी है,
लीले असवारी है,
तीन बाणधारी बाबा श्याम,
करते सदा भक्तो पे दया,
ये लखदातारी हैं,
लीले असवारी है,
तीन बाणधारी बाबा श्याम।bd।

तर्ज – हम तुम चोरी से।

शीश दान देकर के,
इसने वरदान था पाया,
कलयुग में भक्तो का,
बाबा श्याम ये कहलाया,
हारे का दूँगा साथ दूँगा साथ,
वचन था माँ को दिया,
ये लखदातारी हैं,
लीले असवारी है,
तीन बाणधारी बाबा श्याम।bd।

रूठी है किस्मत जिनकी,
नही जिनका कोई सहारा,
हाथ पकड़ता उनका,
जो जग में बेसहारा,
दानी है दातार है दातार है,
माँ मोर्वी का लाल,
ये लखदातारी हैं,
लीले असवारी है,
तीन बाणधारी बाबा श्याम।bd।

निर्बल को बल निर्धन को,
माया मेरे श्याम है देते,
हारे को जीत दिलाकर,
अपनी शरण में लेते,
‘रूबी रिधम’ की मेरे साँवरे मेरे साँवरे,
ने हर पल रखी लाज,
ये लखदातारी हैं,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

लीले असवारी है,
तीन बाणधारी बाबा श्याम।bd।

ये लखदातारी है,
लीले असवारी है,
तीन बाणधारी बाबा श्याम,
करते सदा भक्तो पे दया,
ये लखदातारी हैं,
लीले असवारी है,
तीन बाणधारी बाबा श्याम।bd।

Singer – Indu Sharma